इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 91

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियों को घटाने के बाद, बजट आबंटन इस प्रकार हैः

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2008-2009 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	संशोधित 2008-2009 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	बजट 2009-2010 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		18.50	77.23	95.73	18.49	78.96	97.45	26.00	81.36	107.36
पूंजी		*15.50*	*...*	*15.50*	*7.51*	*260.04*	*267.55*	*8.00*	*...*	*8.00*
जोड़		**34.00**	**77.23**	**111.23**	**26.00**	**339.00**	**365.00**	**34.00**	**81.36**	**115.36**
1. सचिवालय-आर्थिक सेवाएं	3451	...	13.91	13.91	...	16.31	16.31	...	19.71	19.71
लौह और इस्पात उद्योग										
2. लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के संवर्धन की योजना	2852	18.50	...	18.50	18.49	...	18.49	26.00	...	26.00
3. सब्सिडी										
3.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि. को ब्याज सब्सिडी	2852	...	56.02	56.02	...	56.00	56.00	...	55.48	55.48
3.02 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकान लि. को ब्याज सब्सिडी	2852	...	5.60	5.60	...	5.60	5.60	...	5.24	5.24
	जोड़	*...*	*61.62*	*61.62*	*...*	*61.60*	*61.60*	*...*	*60.72*	*60.72*
4. गारंटी शुल्क माफ करना										
4.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्सट्रक्शन लि.	2852	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10
4.02 भारत रिफैक्ट्रीज लि.	2852	...	0.54	0.54	...	0.40	0.40	...	...	...
4.03 मैकान लि.	2852	...	1.65	1.65	...	1.65	1.65	...	1.55	1.55
घटाईये - निवल प्राप्तियां	0075	...	-8.29	-8.29	...	-8.15	-8.15	...	-7.65	-7.65
	निवल	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*
	जोड़	*...*	*61.62*	*61.62*	*...*	*61.60*	*61.60*	*...*	*60.72*	*60.72*
5 ऋण की माफी										
5.01 भारत रिफैक्ट्रीज लि.	*2852*	...	...	...	...	175.46	175.46	...	...	...
घटाईये - निवल प्राप्तियां	*0852*	...	...	...	...	-175.46	-175.46	...	...	...
	निवल	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*
6. इक्विटी की हामीदारी										
6.01 भारत रिफैक्ट्रीज लि.	*2852*	...	...	...	...	226.04	226.04	...	...	...
घटाईये - निवल प्राप्तियां	*0852*	...	...	...	...	-226.04	-226.04	...	...	...
	निवल	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*	*...*
7. एमएनडीसी लि. द्वारा जारी बोनस शेयर	4852	...	...	...	...	260.04	260.04	...	...	...
8. ऋण को इक्विटी और 1% असंचयी तरजीही शेयर का इक्विटी में परिवर्तन										
8.01 भारत रिफ्रैकट्रीज लि.	4852	...	...	...	0.01	...	0.01	...	...	...
9. सरकारी उद्यमों में निवेश	4852	...	...	...	...	...	...	...	...	...
	6852	15.50	...	15.50	7.50	...	7.50	8.00	...	8.00
	जोड़	*15.50*	*...*	*15.50*	*7.50*	*...*	*7.50*	*8.00*	*...*	*8.00*
10. अन्य कार्यक्रम	2852	...	1.70	1.70	...	1.05	1.05	...	0.93	0.93
कुल जोड़		***34.00***	***77.23***	***111.23***	***26.00***	***339.00***	***365.00***	***34.00***	***81.36***	***115.36***
ख. सरकारी उद्यमों में निवेश	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
9.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.	12852	...	4674.00	4674.00	...	4674.00	4674.00	...	10356.00	10356.00
9.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि.	12852	...	4166.00	4166.00	...	2815.50	2815.50	...	2437.00	2437.00
9.03 स्पंज आयरन इंडिया लि.	12852	...	5.00	5.00	...	1.04	1.04	...	...	...
9.04 हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि.	12852	6.50	...	6.50	6.50	...	6.50	7.00	...	7.00
9.05 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लि.	12852	8.00	...	8.00	...	8.00	8.00	...	8.00	8.00
9.06 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि.	12852	...	400.00	400.00	...	400.00	400.00	...	700.00	700.00
9.07 कुद्रेमुख लौह अयस्क क. लि.	12852	...	100.00	100.00	...	40.00	40.00	...	85.00	85.00

(करोड़ रुपए)

		बजट 2008-2009			संशोधित 2008-2009			बजट 2009-2010		
	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
9.08 मैगनीज ओर इंडिया लि.	12852	...	117.20	117.20	...	84.90	84.90	...	102.25	102.25
9.09 बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज	12852	1.00	30.00	31.00	1.00	2.66	3.66	1.00	15.61	16.61
9.10 मैकान लि.	12852	...	...	...	...	16.92	16.92	...	2.00	2.00
9.11 एम एस टी सी लि.	12852	...	5.00	5.00	...	11.00	11.00	...	5.00	5.00
9.12 फेरो स्क्रैप निगम लि.	12852	...	11.80	11.80	...	11.80	11.80	...	11.80	11.80
जोड़		**15.50**	**9509.00**	**9524.50**	**7.50**	**8065.82**	**8073.32**	**8.00**	**13722.66**	**13730.66**
ग. आयोजना परिव्यय										
लोहा और इस्पात	12852	34.00	9509.00	9543.00	26.00	8065.82	8091.82	34.00	13722.66	13756.66

1. **सचिवालयः** इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय के लिए प्रावधान है।

2. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के संवर्धन के लिए योजनाः** पर्यावरण हितैषी तरीके से गुणवत्ता का लागत प्रभावी उत्पादन करने के लिए अभिनव/पथ प्रदर्शक और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य को बढ़ावा देने और इसमें तेजी लाने के लिए नई योजना/तंत्र तैयार करने के लिए प्रावधान किया गया है।

3. **सब्सिडी**

3.01 ***हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः*** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

3.02 ***मेकॉन लिमिटेडः*** कंपनी द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों/न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बॉडों के 50 प्रतिशत ब्याज के भुगतान के लिए।

4. **गारंटी शुल्क माफ करनाः**

4.01 ***हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः*** नकद क्रेडिट और बैंक गारंटी और स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

4.02 ***भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः*** नकद क्रेडिट और बैंक गारंटी सीमा और कार्यशील पूंजी संबंधी आवश्यकताओं के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी संबंधी गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

4.03 ***मेकॉन लिमिटेडः*** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों/न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बाँडों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी संबंधी गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

इन्हें प्राप्तियों से पूरा किया जाएगा।

9. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में निवेशः**

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रावधान किया जाता है। सरकारी क्षेत्र के अधिकांश उपक्रम जहाँ विभिन्न योजनाओं से संबंधित अपने पूंजीगत व्ययों की पूर्ति अपने आंतरिक तथा बजट बाह्य संसाधनों (आईईबीआर) से करते हैं, वहीं आर्थिक दृष्टि से कमजोर कुछ उपक्रमों को इक्विटी निवेश और ऋणों के जरिए बजटीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

9.01 ***स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) :*** इसके 5 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर, एवं सेलम में स्थित हैं और मिश्र इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में स्थित हैं। 16.2.2006 से इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (इस्को), जिसका एकीकृत इस्पात संयंत्र बर्नपुर में है और सेल की सहायक कंपनी थी, का सेल में विलय कर दिया गया है और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है। महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड, जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है, सेल की एक मात्र सहायक कंपनी है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और बजट बाह्य संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) बोकारो इस्पात संयंत्रः परिव्यय में बोकारो इस्पात संयंत्र का विस्तार, कोक ओवन बैटरी-1 और 2 की बड़े पैमाने पर मरम्मत, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टीबी की स्थापना, बीफ-2 का उन्नयन तथा चल रही अन्य योजनाओं का व्यय शामिल है।

(ii) भिलाई इस्पात संयंत्रः कुल परिव्यय का अधिकांश भाग (1100 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय कोक ओवन बैटरी-5 और 6 की बड़े पैमाने पर मरम्मत, स्लैब कास्टर की स्थापना, मेन स्टेप डाउन स्टेशन-5, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र जैसी और अन्य चल रही तथा नई योजनाओं के लिए है।

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)ः परिव्यय में शामिल प्रमुख परियोजनाओं में आरएसपी का विस्तार (1400 करोड रूपए) है। सीओबी-4 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र का पुनर्निमाण तथा एसएमएस-2 के बीओएफ कनवर्टर की सायमल्टेनियस ब्लोइंग आदि अन्य योजनाएं हैं।

(iv) दुर्गापुर इस्पात संयंत्रः 650 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय में से संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए 500 करोड रूपए निर्धारित किए गए हैं। परिव्यय में कवर की गई योजनाओं में ब्लूम कास्टर और बीएफ-3 और 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन तथा श्रीनगर में इस्पात प्रक्रमण इकाई से संबंधित व्यय शामिल हैं।

(v) इस्को स्टील प्लांट (आईएसपी)ः परिव्यय का प्रमुख हिस्सा आईएसपी के विस्तार (3100.00 करोड़ रूपए) के लिए निर्धारित है। बीएफ-2 के पुनर्निमाण सीओ-10 के पुनर्निमाण आदि के लिए भी प्रावधान किया गया है।

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्रः परिव्यय कई पूरी हो चुकी योजनाओं तथा 20 कराड़ रूपए से कम लागत की चल रही योजनाओं के लिए है।

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)ः 1020 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (1002 करोड़ रूपए) के लिए है।

(viii) विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेडः परिव्यय कम मूल्य की विविध योजनाओं तथा एसएमएस में सिंगल स्ट्रैंड ब्लूम कास्टर की स्थापना के लिए है।

9.02 ***राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेडः*** प्रमुख कच्ची सामग्री स्रोतों से दूर और तत्कालीन सोवियत रूस से तकनीकी और वित्तीय सहायता से स्थापित भारत का यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। तट आधारित होने के कारण इसे यह फायदा है कि यह आदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। इस्पात संयंत्र की अनुमोदित अंतिम लागत 8529.13 करोड़ रूपए थी। परिव्यय का प्रावधान चल रही योजनाओं जैसे क्षमता विस्तार (चरण-1) और एएमआर योजनाओं तथा कोक ओवन बैटरी संख्या-4 (चरण-1 और 2), एयर सैपरेशन प्लांट, बीएफ-1 कैटगरी-1 मरम्मत, पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन, लौह अयस्क भंडारण सुविधाओं तथा पॉवर इवेकुएशन सिस्टम के लिए किया गया है। संपूर्ण परिव्यय को कंपनी के आंतरिक संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

सं.91/इस्पात मंत्रालय

9.03 ***स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेडः*** स्पंज लोहा संयंत्र को लंप लौह अयस्क और 100 प्रतिशत गैर कोकिंग कोयले से स्पंज लोहे के उत्पादन की प्रौद्योगिक-आर्थिक व्यवहार्यता स्थापित करने के लिए यूएनडीपी/यूनिडों की सहायता से स्थापित किया गया था। इस इकाई का नियमित प्रचालन नवंबर, 1980 में शुरू किया गया था और इसे उत्पादन तथा अनुसंधान एवं विकास, दोनों के लिए तैयार किया गया है। 2009-10 के लिए कोई परिव्यय प्रस्तावित नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार ने सिल का एनएमडीसी में विलय करने के लिए मंजूरी दे दी है तथा विलय की तारीख 30.6.2008 निर्धारित की गई है। विलय प्रक्रिया के मार्च, 2009 तक पूरा किए जाने की संभावना है।

9.04 ***हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः*** 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। योजना बजटीय सहायता का प्रावधान निर्माण उपस्करों तथा मशनीनरी की खरीद तथा बड़े पैमाने पर मरम्मत के लिए किया गया है।

9.05 ***भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः*** इसके नियंत्रणाधीन भंडारीदह रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र, राँची रोड रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र, भिलाई रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र और इफिको रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र नामक 4 इकाइयां हैं। यह कंपनी इस्पात संयंत्रों के लिए विभिन्न प्रकार की रिफ्रैक्ट्रीज का उत्पादन करती है। भारत सरकार ने 24.4.2008 को बीआरएल के सेल में विलय के लिए मंजूरी दे दी है। सभी कानूनी और लेखांकन प्रयोजनों के लिए 1.4.2008 से विलय लागू हुआ मान लिया गया तथा विलय प्रक्रिया मार्च, 2009 तक पूरी की जानी है। परिव्यय एएमआर योजनाओं के लिए किया गया है तथा इसे कंपनी के आईईबीआर से पूरा किया जाना है।

9.06 ***एन एम डी सी लिमिटेड (पहले नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन):*** एन एम डी सी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बड़ा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड और लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन में भी प्रवेश कर रही है। योजना परिव्यय का प्रावधान बैलाडिला निक्षेप-11बी, कर्नाटक में विंड मिल, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र, ए एम आर/बस्ती, सिल का विस्तार तथा अनुसंधान एवं विकास योजनाओं आदि जैसी योजनाओं/परियोजनाओं के लिए किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

9.07 ***कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेडः*** कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रण का उत्पादन करने के लिए की गई थी। ईरान द्वारा करार के अनुसार लौह अयस्क सांद्रण को लेने की असमर्थता के परिणामस्वरूप 30 लाख टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए एक पैलेट संयंत्र लगाने को मई, 1981 में मंजूर किया गया था। 116.65 करोड़ रूपए की लागत से कार्यान्वित हुई इस परियोजना में वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू किया गया था। तथापि, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी को दिनांक 31.12.2005 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोक देना पड़ा। योजना परिव्यय मुख्य रूप से ए एम आर योजनाओं (पी-फिल्टर सहित) के लिए है। अन्य योजनाओं में डक्टाईल आयरन स्पन पाईप प्लांट, मंगलौर में रेल द्वारा लौह अयस्क प्राप्त करने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के विकास, अनुसंधान एवं विकास व्यवहार्यता अध्ययन तथा कुद्रेमुख में इको-टाउन का विकास, बी एफ में कोल इंजेक्शन सिस्टम आदि शामिल है। परिव्यय की व्यवस्था कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की जा रही है।

9.08 ***मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड :*** मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी है। यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बड़ी देशीय उत्पादक कंपनी है। लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाईआक्साइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू करके विविधीकरण किया है। परिव्यय का अधिकांश हिस्सा फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम में निवेश हेतु आबंटित किया गया है। अन्य योजनाओं में गुमगांव खान में नई वर्टिकल शाफ्ट की सिंकिंग, ए एम आर योजनाओं, बस्ती, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहारिता अध्ययन आदि शामिल हैं। योजना परिव्यय की व्यवस्था कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की जा रही है।

9.09 ***बर्ड ग्रुप कंपनियां :*** अक्तूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिग्रहीत बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने और खनिज गवेषण से संबंधित कार्य करती है। यह प्रावधान वन रोपण तथा पट्टा मामलों, खनिज और अयस्क खनिज आधारित उद्योगों, ए एम आर योजनाओं के लिए किया गया है। 1.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता को छोड़कर इस परिव्यय की व्यवस्था कंपनी के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से ही जाएगी।

9.10 ***मेकॉन लिमिटेड :*** यह आई एस ओ : 9001 प्राप्त देश का प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है। यह कंपनी न केवल बेसिक इंजीनियरी, विस्तृत इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन आदि के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं प्रदान करती है अपितु इसने लौह, अलौह, तेल और गैस, पेट्रो-रसायन और अन्य सामान्य उद्योगों के लिए उपस्करों के डिजाइन और उनकी आपूर्ति में पर्याप्त विशेषज्ञता भी विकसित की है। योजना परिव्यय (आई एंड ई बी आर) विभिन्न स्थानों पर कार्यालय स्थल/अतिथि गृह की मरम्मत/विस्तार के लिए है।

9.11 ***एम एस टी सी लिमिटेड :*** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो फैरस स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन के दौरान उत्पन्न अन्य गौण सामग्रियों के निपटान और अन्य सरकारी क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है। माध्यमीकरण समाप्त किए जाने के पश्चात कंपनी के पास कोई माध्यमीकृत मद नहीं है और यह निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा में वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ-साथ स्क्रैप का आयात करती है। परिव्यय लॉजिस्टिक्स हेतु संयुक्त उद्यम की स्थापना करने के लिए है और इसकी व्यवस्था आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ई बी आर) से की जाएगी।

9.12 ***फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड :*** एफ एस एन एल, जो पहले एम एस टी सी लि. और मै. हार्सको कोरपोरेशन इंक.यू एस ए की एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी थी, अब एम एस टी सी लि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है जिसमें एम एस टी सी के मै. हार्सको द्वारा धारित 40% इक्विटी शेयर हैं। कंपनी, दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापत्तणम और डोल्वी में स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रक्रमण का कार्य करती है। स्लैग के प्रक्रमण और डम्पों से लोहे और इस्पात के पुनः संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहना पड़ता है। योजना परिव्यय ए एम आर योजनाओं के लिए है और इसकी व्यवस्था कंपनी के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की जाएगी।

10. **अन्य कार्यक्रमः** इनमें मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय, विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात कार्यालय, कोलकाता पर होने वाला स्थापना संबंधी व्यय और प्रख्यात धातु वैज्ञानियों को वार्षिक रूप से दिए जाने वाले पुरस्कारों पर होने वाला व्यय शामिल है। हालांकि विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय और इसके 4 क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद कर दिया गया है, फिर भी शेष स्टाफ के वेतन और अन्य प्रशासनिक व्ययों के लिए प्रावधान किया गया है क्योंकि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार अधिशेष कर्मचारी अन्य पदों पर पुनर्तैनात किए जाने अथवा अधिवर्षिता/त्यागपत्र/स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप कार्यालय छोड़ने तक वेतन प्राप्त करते रहेंगे।

सं.91/इस्पात मंत्रालय